हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

9 रामलीला परिषद में उमड़ा जनसैलाब लंका दहन की लीला ने बांधा समां



10 सूखे से बेहाल किसानों को तुम्बा से आय की उम्मीद



सड़क किनारे दुकानदारों को दो से 10 हजार रुपये मासिक किराया देने को मजबूर रेहड़ी संचालक

स्ट्रीट वेंडर्स योजना के तहत 2018 में सर्वे, 8 साल से रेहड़ी संचालकों के रजिस्ट्रेशन से आगे नहीं बढ़ी नगर परिषद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

शहर के सौंदर्यीकरण के लिए रेहड़ी संचालकों को जगह देने की योजना स्ट्रीट वेंडर्स के तहत प्रशासन ने तैयार की। नोयडा की रूद्राभिषेक इंटरप्राइजेज लिमिटेड (आरईपीएल) को यह काम सौंपा। इस कंपनी ने साल-2018 में फरवरी से जुलाई माह के बीच सर्वे किया। उस सर्वे में शहर में 776 रेहड़ियों का रजिस्ट्रेशन किया गया। रेहड़ी संचालकों को आस जगी कि उन्हें अब दुकानों के बाहर खड़ी रेहड़ी का मासिक मोटा किराया (दो से 10 हजार) से छुटकारा मिलेगा। सभी रेहड़ियां चिन्हित जगह पर होगी तो ग्राहक अपने आप वहां पहुंचेगा। आमजन को भी लगा कि इससे शहर का सौंदर्यीकरण भी होगा। अब तक इस सर्वे को आठ साल का समय बीत चुका है। प्रशासन अभी तक शहर में इन रजिस्ट्रेशन रेहड़ी संचालकों के लिए जगह चिन्हित नहीं कर पाया है।

- नगर परिषद की थी शहर का सौंदर्यीकरण करने के लिए रेहड़ी को जगह देने की प्लानिंग, अधिकारी नहीं चढ़ा पाए सिरे

जानकारी के मुताबिक उस सर्वे में 776 रेहड़ी संचालकों को दो भागों में बांटा गया। इनमें 671 रेहड़ी संचालक वह है, जो एक ही जगह पर सुबह से शाम तक खड़े होकर सामान बेचेंगे। वहीं एक से दूसरे निर्धारित जगह पर घूमकर सामान बेचने के लिए 99 मोबाइल रेहड़ी चिन्हित की गई है। यह मोबाइल रेहड़ी स्टेट हाइवे, नेशनल हाइवे व जाम लगने वाले क्षेत्र से दूर रहेगी। स्कूल, कॉलेज व अस्पताल से 75 मीटर दूर, रेलवे ट्रेक से कम से कम 75 मीटर दूरी तय की गई। उस वक्त सर्वे में आरईपीएल कंपनी से अर्बन नवीन कुमार व तुलिका गोपाल नारनौल पहुंचे थे और ईओ अभयसिंह के साथ डीआरडीए कार्यालय के साथ लगती दीवार, रोडवेज कार्यशाला के साथ लगती दीवार, चितवन वाटिका के बाहर, हुडा सेक्टर मोड से संवेदना हॉस्पिटल के आस-पास सड़क किनारे, पुलिस लाइन दीवार, महिला आईटीआई व ब्वाय आईटीआई दीवार के साथ लगती जगह को देखा था। इनमें अभी कोई स्थान फाइनल नहीं हुआ है।



नारनौल। बस स्टैंड के पास सड़क किनारे लगे रेहड़ियां। फोटो : हरिभूमि

क्या कहते हैं ईओ

नगर परिषद के ईओ जोगेंद्र कालीरमणा ने बताया कि सर्वे बहुत पहले हुआ था। अभी तक कितने रजिस्ट्रेशन हुए है, अभी उनके पास डाटा नहीं है। सोमवार को बता सकते है। इस योजना को सिरे चढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

यह तय किए गए हैं स्ट्रीट वेंडर्स में मापदंड

इस योजना को लागू करने के लिए जिला स्तर पर टाउन वेडिंग कमेटी बनाई गई। निजी कंपनी जगह चिन्हित करने के बाद इस कमेटी को रिपोर्ट देनी थी। सहमति से जगह चिन्हित होने के बाद मासिक किराया तय किया जाएगा। उस किराया के हिसाब से ही नप परिषद रेहड़ी संचालकों को शौचालय, बिजली, पानी, कूड़ा उठान जैसी सुविधाएं मुहैया करवाएगा। इस तरह रेहड़ी संचालकों को आईकार्ड भी मिलेगा। उसमें फोटो, नाम, पता व मोबाइल नंबर अंकित होगा। कई नियमों के साथ रेहड़ी चालकों के लिए नोटिफिकेशन तैयार किया गया है। स्थाई जगह मिलने के बाद कोई रेहड़ी चालक शहर में कहीं पर भी रेहड़ी लगाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। पहली बार नियम तोड़ने पर एक हजार, दूसरी बार दोगुना व तीसरी बार पांच हजार का जुर्माना लगेगा। चौथी बार नियम तोड़ने पर तीन माह के लिए रेहड़ी नहीं लगाने दी जाएगी। पांचवीं बार नियम का उल्लंघन करने पर हमेशा के लिए वह रेहड़ी नहीं लगा सकेगा। सामान भी जब्त होगा।

खबर संक्षेप

बाबा जगनदास महाराज का मेला व भंडारा कल

महेंद्रगढ़। गांव बुचौली में 20 अक्टूबर को बाबा जगनदास महाराज का महान मेला और भंडारे का आयोजन होगा। बाबा के भगत राजेश मेहरा, सतीश मेहरा और अनिल मेहरा बैंक मैनेजर ने बताया कि बाबा के धाम में जो श्रद्धालु सच्चे मन से अरदास करके मन्नते मांगते है, बाबा उनकी मनोकामना पूर्ण करता है। बाबा का मेला साल में दो बार दशहरा व धुलंडी के दिन लगता है और मेले के दिन श्रद्धालु भगतजन देसी घी से निर्मित मिठाई के भंडारे का आयोजन करते है। भगत प्रवक्ता राजेश मेहरा और जयसिंह मेहरा ने बताया कि बाबा जगनदास की सच्चे मन और श्रदा से जो भगत पूजा करता है, बाबा जरूर उसकी मनोकामना पूर्ण करता है।

बीमार व घायल गोवंश को खिलाया दलिया व सब्जी

नारनौल। श्री गोमाता युवा उपचार सेवा समिति की ओर से रविवार को गो सेवा का सराहनीय कार्य किया गया। समिति के सदस्यों ने शहर की गो उपचारशाला में बीमार एवं एक्सीडेंट में घायल गो माताओं के लिए दलिया व सब्जी खिलाई। समिति के दीपक सर्राफ ने बताया कि गो उपचार शाला के अंदर बड़ी संख्या में बीमार और सड़क हादसों में घायल गायों का इलाज चल रहा है। इस मौके पर निलेश संघी, नीरज नैंसी वाले, सुरेंद्र अग्रवाल, अविनाश गोयल, जोगिंदर सिंगल, नीरज गर्ग, विकास बंसल, रोहित गर्ग, सतीश भल्ला, ऋषभ बंसल, मयंक शर्मा, पुष्पा शर्मा, राकेश यादव, डॉ. सतीश आदि मौजूद थे।

निजी व्यापारियों ने 2456 रुपये प्रति क्विंटल तक खरीदा बाजरा

बाजरे से अटी नारनौल मंडी, रात नौ बजे तक कटते रहे गेट पास

28 हजार क्विंटल से अधिक बाजरा पहुंचा,1173 गेट पास कटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित जलमहल के समीप अनाज मंडी में बीती देर रात तक बाजरे की रिकॉर्ड आवक होने से अट गई। किसानों की भीड़ और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों व पिकअप की लंबी कतारों के बीच मंडी में देर रात तक खरीद प्रक्रिया चलती रही। हालात ऐसे रहे कि मंडी के दोनों ओर वाहनों की करीब तीन-तीन किलोमीटर लंबी लाइनें लग गईं। हालात यह रहे कि नांगल चौधरी रोड पर गांव मांदी के फ्लाईओवर तथा नारनौल बाइपास फ्लाईओवर के पार तक वाहन लंबी–लंबी लाइनों में खड़े रहे और मंडी कर्मचारी रात नौ बजे तक गेट पास काटने में जुटे रहे। शनिवार को सीजन में अब तक की सर्वाधिक 28,174.50 क्विंटल बाजरे की आवक दर्ज की गई, जबकि 1173 गेट पास काटे गए। निजी व्यापारियों ने लगभग 27,350 क्विंटल बाजरा खरीदा। बाजरे का अधिकतम भाव 2456 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गया, जो इस सीजन में अब तक का सर्वाधिक बताया जा रहा है।

रिकॉर्ड आवक के चलते मंडी में दिनभर एवं रात के अंधेरे में गहमागहमी बनी रही। बड़ी संख्या में किसान फसल लेकर पहुंचे तो व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल बढ़ाकर तैनात करना पड़ा। कई बार अव्यवस्था की स्थिति बनी, लेकिन मंडी अधिकारियों और पुलिस ने सूझबूझ से हालात संभाले। कुछ किसान बिना वाहन नंबर वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर पहुंच गए। इनके कारण गेट पास जारी करने की प्रक्रिया में परेशानी आई। ई-खरीद पोर्टल पर किसान के साथ वाहन की फोटो अपलोड करने की अनिवार्यता के चलते वाहन का नंबर और पंजीकरण प्रमाणपत्र जरूरी है। मंडी में आवक का दबाव इतना अधिक रहा कि किसान, कर्मचारी और व्यापारी रात तक काम में लगे रहे। बारिश के बाद मौसम में ठंडक होने से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन लंबे इंतजार के बीच किसानों को खाने-पीने की सामग्री जुटाने में भी परेशानी हुई। रविवार को मंडी में छुट्टी के चलते उठान कार्य तेजी से चला, ताकि खरीद चुके बाजरे के लिए जगह खाली हो सके और आगामी आवक संभाली जा सके।



नारनौल। मंडी में सड़क पर डाला गया बाजरा। फोटो : हरिभूमि

वाहन नंबर और आरसी लेकर आएं किसानः चेयरमैन

मार्केट कमेटी के चेयरमैन बाबूलाल यादव ने बताया कि शनिवार को इस सीजन की रिकॉर्ड आवक हुई और 1173 गेटपास काटे गए। बाजरे का अधिकतम भाव 2456 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों की बायोमीट्रिक और आंखों की स्कैनिंग नहीं हो पाई, वे सोमवार को यह प्रक्रिया पूरी करवा लें। किसान वाहन पर नंबर प्लेट लगाकर आएं और वाहन की आरसी साथ रखें, ताकि फोटो अपलोड कर गेट पास जारी करने में परेशानी न हो।

खरीद शेड्यूल के अनुसार मंडी पहुंचें किसानः सचिव

मार्केट कमेटी की कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव नुकुल यादव ने बताया कि मंडी में अत्यधिक आवक के कारण किसानों के भुगतान में बाधा आ रही है। खरीद को व्यवस्थित रखने के लिए गांवों के हिसाब से शेड्यूल बदला गया है। उन्होंने किसानों से निर्धारित तारीख पर ही मंडी पहुंचने और व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

गांवों के हिसाब से बदला खरीद शेड्यूल

मंडी में किसानों की अधिक संख्या और भुगतान प्रक्रिया प्रभावित होने के कारण मार्केट कमेटी ने खरीद का संशोधित शेड्यूल जारी किया है। इसके तहत 19 अक्टूबर को दौचाना, खत्तरीपुर, खोड़मा, किरारोद अफगान और कोजिंदा के किसान बाजरा बेच सकेंगे। 20 अक्टूबर को कुलताजपुर, कुतबापुर, लहरोदा और लुत्फपुर; 21 अक्टूबर को महरमपुर, मकसूसपुर, मंढाणा, मंडलाणा और मारोली के किसानों की फसल खरीदी जाएगी। इसी तरह 22 अक्टूबर को मेई, मीरपुर, मित्रपुरा, मोहम्मदपुर हमीद खां और मुकंदपुरा; 23 अक्टूबर को मुरारीपुर, नांगल काठा, नांगल श्यालू, नांगतिहाड़ी और नारनौल तथा 24 अक्टूबर को नसीबपुर, निवाजनगर, नूनी अव्वल, नूनी कलां और पटीकरा के किसानों का बाजरा खरीदा जाएगा।

शुरुआती भाव से बढ़कर 2456 रुपये तक पहुंचा बाजरा

इस सीजन की शुरुआत में किसानों को बाजरे के भाव 2100 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे थे। अब निजी खरीद में अधिकतम भाव 2456 रुपये तक पहुंच गया है। शनिवार को हुई खरीद में हाफेड की ओर से कोई खरीद दर्ज नहीं की गई। सरकारी खरीद की अपेक्षा निजी व्यापारियों की सक्रियता मंडी में अधिक रही। 17 अक्टूबर तक ई-खरीद के माध्यम से कुल 6421 गेटपास काटे जा चुके थे और कुल आवक 1,70,159.90 क्विंटल दर्ज की गई।

कनीना में बाजरे की खरीद के लिए रोस्टर जारी

4-4 गांव के किसान बेच सकेंगे बाजरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

नई अनाज मंडी कनीना में बाजरे की खरीद को सुचारू बनाने के लिए मार्केट कमेटी प्रशासन द्वारा गांववार रोस्टर जारी किया गया है। जिसके अंतर्गत प्रतिदिन चार-चार गांवों का किसान अपनी फसल बेच सकेंगे।

इससे पूर्व पांच-पांच गांव रोष्टर में शामिल किए गए थे। मंडी में फसल की भारी आवक को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। मार्केट कमेटी के सचिव अजीत सिंह ने बताया कि इस दौरान ई-खरीद के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल पर पंजीकृत किसान ही अपनी उपज को अच्छी तरह सुखाकर व साफ करके सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे के बीच मंडी पहुंच सकते हैं।

उन्होंने बताया कि 19 अक्टूबर को मुण्डिया खेडा, नांगल, नौताना व पड़तल, 20 अक्टूबर को पाथेड़ा, पोता, रामबास व रसुलपुर, 21 अक्टूबर को सेहलंग, सिहोर, सुन्दरह व स्याणा और 22 अक्टूबर को तलवाना, उच्चत, उन्हाणी व ढणा गांव के किसानों का बाजरा खरीदा जाएगा।

वार्ड एक वासी मुस्कान की सड़क हादसे में मौत

ओल्ड राव होटल के पास टायर फटने से पलटी कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

वार्ड नंबर एक निवासी मुस्कान उर्फ लवली यादव की सड़क हादसे में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रोज की तरह शनिवार दोपहर अटेली के वार्ड नंबर एक निवासी 31 वर्षीय मुस्कान उर्फ लवली अपनी दुकान के लिए सामान लेने नारनौल जा रहा था। दोपहर करीब 12 बजे नारनौल-रेवाड़ी नेशनल हाईवे पर ओल्ड राव होटल के पास उसकी कार का टायर अचानक फट गया, जिससे कार असंतुलित होकर पलट गई। राहगीरों ने उसे नेशनल हाईवे की एंबुलेंस से नारनौल के अस्पताल पहुंचाया। गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे गुरुग्राम रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर गुरुग्राम के लिए रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। लवली अपने पीछे 12 वर्षीय बेटी और सात वर्षीय बेटे को छोड़ गया। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में रोते-बिलखते परिजनों को देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। इस हादसे के बाद पूरे अटेली क्षेत्र में शोक की लहर है।

अवैध खनन की शिकायत पर अधिवक्ता पर हमला

खेत में पानी की लाइन दबाते समय मारपीट का आरोप, घायल हायर सेंटर रेफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव मांदी निवासी एडवोकेट एवं वरिष्ठ पत्रकार भालेंद्र यादव उसके गांव के लोगों ने जानलेवा हमला कर उन्हें जख्मी कर दिया। घायल को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां से उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मामले में बयान दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए बयान में पीड़ित भालेंद्र यादव ने बताया कि वह गांव मांदी का रहने वाला है। रविवार प्रातः करीब दस-सवा दस बजे वह अपने खेतों में पानी की लाइन दबा रहा था। उसी समय गांव का ही शक्ति उर्फ सतिया उसके खेत के अंदर आया और आते ही उससे बहसबाजी करने लगा कि वह बड़ा पत्रकार बनता है तथा वह उसकी खनन करने की बार-बार शिकायत करता रहता है।

आज वह उसे मजा चखाएगा। इतना कहते ही उसने उसके मुंह पर जोरदार मुक्का मारा, जिससे भालेंद्र यादव के मुंह व नाक से खून बहने लगा तथा आंखों के आगे अंधेरी छाने से वह वहीं पर गिर पड़ा। उक्त आरोपित ने जमीन पर गिरे भालेंद्र को लात-घुसे मारे। शोर मचाने पर उसके पिता उसे बचाने आए तो उन्होंने पुलिस को डॉयल 112 पर फोन करना चाहा, लेकिन शक्ति ने फोन छीन लिया। बाद में उसके पिता ने फोन लेकर पुलिस को 112 नंबर पर फोन किया और पुलिस की गाड़ी वहां आई।

उन्होंने उसे सरकारी अस्पताल नारनौल में भर्ती कराया। उन्होंने आरोप लगाया कि शक्ति ने उसे धमकी दी है कि वह उसे जान से मारेगा। वह उसे कभी भी मार सकता है।



नारनौल। अस्पताल में उपचाराधीन घायल भालेंद्र यादव। फोटो : हरिभूमि

8वें वेतन आयोग के लाभ की मांग को लेकर दिल्ली में जुटेंगे रिटायर्ड कर्मचारी

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संघ जिला कार्यकारिणी की बैठक रविवार को यादव धर्मशाला में जिला प्रधान घनश्याम दास शर्मा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में 12 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई। जिला प्रधान घनश्याम दास शर्मा ने रैली के उद्देश्य और तैयारियों की जानकारी दी। जगन लाल नीनानिया ने कहा कि रिटायर्ड कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग के लाभ से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने पेंशन वित्त विधेयक-2025 वापस लेने की मांग की। जिला कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश दायमा ने सदस्यों से रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर रैली में जाने वाले सदस्यों की सूची मांगी, ताकि उनकी संख्या के अनुसार वाहनों की व्यवस्था की जा सके। बैठक का संचालन जिला सचिव रोशन लाल ने किया। बैठक में किशोरी लाल, रामशरण कसाना, ताराचंद सैनी, राजेश, करन सिंह, कंवल सिंह, ओमप्रकाश वर्मा, महेंद्र सिंह यादव, मामन सिंह, सुखचैन, सतपाल शर्मा और ढुलीचंद सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।



नारनौल। यादव सभा में मीटिंग करते रिटायर्ड कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

महाअष्टमी पर आज शाम पांच बजे श्रद्धालु होंगे यात्रा में शामिल

किला रोड से मां चामुंडा के दरबार तक निकलेगी चुन्नी यात्रा

- महाआरती के बाद मां को अर्पित होगा छप्पन भोग
- 20 अक्टूबर को नवरात्र समापन पर सायंकाल 5 बजे से मंदिर में लगेगा मेला, उमड़ेंगे हजारों श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

महाअष्टमी के पावन अवसर पर 19 अक्टूबर को मां चामुंडा देवी के भक्तों की आस्था का भव्य नजारा देखने को मिलेगा। सोमवार शाम पांच बजे किला रोड से मां चामुंडा देवी मंदिर तक भव्य चुन्नी यात्रा निकाली जाएगी। श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ मां की चुन्नी लेकर यात्रा में शामिल होंगे और जयकारों के बीच मां के दरबार में पहुंचकर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। मंदिर पहुंचने पर विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती होगी तथा इसके बाद मां को छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा।

मां चामुंडा देवी मंदिर ट्रस्ट की ओर से महा अष्टमी एवं महानवमी की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है। चुन्नी यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। ट्रस्ट की ओर से धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार यात्रा में शामिल होने का आह्वान किया गया है।

संयोजक मां चामुंडा देवी ट्रस्ट के प्रधान रामकुमार भोजावासिया एवं आनंद कुमार भोजावासिया ने बताया कि महा अष्टमी को चुन्नी यात्रा के मंदिर पहुंचने के बाद मां की विधिवत पूजा-अर्चना और महाआरती की जाएगी। इसके बाद छप्पन भोग लगाया जाएगा तथा प्रसाद श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से धार्मिक आयोजन में श्रद्धा और अनुशासन के साथ शामिल होने की अपील की।

नवरात्र के समापन पर महानवमी पर 20 अक्टूबर को मंदिर परिसर में शाम पांच बजे से देर रात्रि तक भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए मंदिर को विशेष रूप से रोशनी से सजाया गया है। मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस बल चौकस रहेगा और मंदिर परिसर की सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मंदिर के सेवक भी तैनात रहेंगे। सेवकों की ओर से श्रद्धालुओं को निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि मां के दर्शन और मेले में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।



नारनौल। मंदिर में सजाई गई मां चामुंडा देवी की मूर्ति। फोटो : हरिभूमि

मां के दरबार में सेवाभाव से जुटेंगे सेवक

मंदिर के पुजारी सत्यनारायण पांडे ने कहा कि नवरात्र के समापन अवसर पर महानवमी को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के मां के दरबार में पहुंचने की उम्मीद है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर के सेवक पूरे आयोजन के दौरान सेवाभाव से जुटे रहेंगे और निःशुल्क सेवाएं देंगे। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे परिवार सहित मां चामुंडा देवी के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना करें।

मनुष्य अपूर्ण है इसलिए सत्य का विकास जो उसके द्वारा होता है अपूर्ण होता है। यही विकास का रहस्य है। यदि ऐसा न हो तो ज्ञान की वृद्धि असंभव हो जाय।

- जयशंकर प्रसाद



पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही, जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था।



प्रेम का विसर्जन



कहानी

मनीषा मंजरी

धूप की हल्की सुगंध, घंटियों की आवाज़ और दूर से आती ढाक की थाप... पूरा शहर जैसे मां दुर्गा के आगमन के रंग में डूबा हुआ था। जगह-जगह सजे विशाल मंडपों में रोशनी झिलमिला रही थी और नीले आकाश के नीचे हर ओर भक्ति, उल्लास और उत्सव की छटा बिखरी थी। उसी भीड़ में काव्या मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़े खड़ी थी। आंखें बंद थीं। पिछले तीन वर्षों से वह इसी तरह यहां आती, प्रतिमा के सामने खड़ी होती, आंखें बंद करती और हर बार एक ही प्रार्थना दोहराती,

"मां... उसे वापस कर दो।"

पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था। उसे आज भी याद था, वह पहली दुर्गा पूजा, जब सौरव ने उसे लाल चूड़ियों का एक छोटा-सा डिब्बा देते हुए कहा था,

"तुम पर लाल रंग अच्छा लगता है।"

काव्या ने चूड़ियां हाथ में लेते हुए मुस्कुराकर पूछा था,

"और अगर मुझे पसंद नहीं आया तो?"

सौरव हंसा था।

"तो अगले साल रंग बदल दूंगा।"

काव्या खिलखिला पड़ी थी। उसे कहां पता था कि कुछ रंग जीवन में इतने गहरे उतर जाते हैं कि वर्षों बाद भी उनसे बाहर निकलना आसान नहीं होता। उनका प्रेम किसी फिल्मी कहानी जैसा नहीं था। वह चाय के छोटे-छोटे कपों, देर रात तक चलने वाली फोन कॉलों, अचानक हुई बारिशों और उन अनगिनत बातों से बना था जिनका कोई विशेष अर्थ नहीं होता, फिर भी जिनके बिना प्रेम अधूरा लगता है। सौरव उसके सपनों को जानता था। काव्या लेखिका बनना चाहती थी, वह अक्सर कहता,

"तुम्हें अपनी किताब लिखनी चाहिए। मैं सबसे पहले पढ़ूंगा।"

काव्या हंसकर कहती,

"पहले तुम मुझे पूरा पढ़ तो लो।"

शायद वह पढ़ रहा था, या शायद दोनों एक-दूसरे को पढ़ते-पढ़ते अपने हिस्से की कहानी कहीं खो बैठे थे। एक शाम सौरव ने कहा,

"काव्या, मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं।"

काव्या ने कोई उत्तर नहीं दिया, बस अपना सिर उसके कंधे पर रख दिया। उसे लगा, यही उत्तर काफी है। लेकिन कुछ महीनों बाद सौरव बदलने लगा। फोन कम हो गए, मुलाकातें टलने लगीं, और उसके शब्दों में पहले जैसी सहजता नहीं रही। एक दिन उसने कहा,

"मेरे घर वाले नहीं मानेंगे।"

काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही, फिर पूछा,

"और तुम?"

सौरव ने आंखें झुका लीं।

"मैं... कोशिश करूंगा।"

उस दिन काव्या ने पहली बार जाना था कि कुछ रिश्ते "मैं कोशिश करूंगा" और "मैं तुम्हारे साथ हूं" के बीच ही मर जाते हैं। कुछ सप्ताह बाद सौरव ने रिश्ता खत्म कर दिया, न कोई बड़ा झगड़ा हुआ, न कोई आरोप। बस एक शांत-सा वाक्य,

"काव्या, मैं तुमसे प्यार करता हूं... लेकिन मैं अपने परिवार के खिलाफ नहीं जा सकता।"

वह हंसना चाहती थी, रोना चाहती थी। उससे पूछना चाहती थी कि फिर उसके प्रेम का अर्थ क्या था? लेकिन उसने कुछ नहीं पूछा। बस कहा,

"ठीक है।"

उस दिन के बाद उसने सौरव को कभी फोन नहीं किया। लेकिन हर दुर्गा पूजा पर मां से उसे वापस मांगती रही। शायद इंसान कई बार किसी व्यक्ति को नहीं, उस व्यक्ति के साथ देखे हुए अपने भविष्य को वापस मांगता है।

तीन वर्ष बीत गए। काव्या ने नौकरी शुरू कर दी थी। उसने फिर से लिखना शुरू कर दिया था। अपनी किताब का पहला अध्याय भी पूरा कर लिया था। लोग कहते थे, वह आगे बढ़ गई है। उसे भी कभी-कभी ऐसा लगता था। लेकिन दुर्गा पूजा आते ही उसके भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता। उस वर्ष जब अष्टमी की रात वह पंडाल पहुंची थी। ढाक की आवाज़ के बीच अचानक उसे लगा जैसे किसी ने उसका नाम पुकारा हो।

"काव्या..."

उसने पलटकर देखा, सामने सौरव खड़ा था। वही आंखें, वही आवाज़, बस चेहरे पर तीन वर्षों की थकान कुछ अधिक साफ दिखाई दे रही थी। काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही। यह कोई भ्रम नहीं था, वह सचमुच सौरव था।

"कैसी हो?"

काव्या के होठों पर हल्की-सी मुस्कान आई।

"ठीक हूं।"

सौरव ने उसकी आंखों में देखते हुए कहा,

"मैं तुम्हें बहुत याद करता था।"

तीन वर्ष पहले शायद यह सुनकर काव्या रो पड़ती, आज उसने केवल पूछा,

"अब?"

सौरव कुछ क्षण चुप रहा।

"अब भी।"

ढाक की आवाज़ दोनों के बीच गूंजती रही। सौरव ने बताया कि उसने शादी नहीं की। उसने कई बार काव्या से संपर्क करने के बारे में सोचा था, लेकिन हिम्मत नहीं हुई। उसे अपने निर्णय पर पछतावा था। फिर उसने बहुत धीमे से कहा,

"अगर तुम चाहो... तो हम फिर से शुरू कर सकते हैं।"

काव्या के भीतर जैसे किसी ने वर्षों से बंद संदूक खोल दिया, पहली बारिश, लाल चूड़ियां, चाय की वह छोटी-सी दुकान, उसका कंधा, उसकी आवाज़, और वह लड़की, जो कभी पूरे विश्वास से मानती थी कि प्रेम हर मुश्किल से बड़ा होता है। उसकी आंखें भर आईं, लेकिन इस बार आंसू सौरव के लिए नहीं थे। वे उस लड़की के लिए थे, जिसने कभी अपने प्रेम को बचाने के लिए स्वयं को खो दिया था। काव्या ने धीरे से कहा,

"सौरव, मैंने तुम्हें बहुत प्यार किया था।"

"था?"

काव्या मुस्कुराई।

"नहीं। कुछ प्रेम का समय बीत जाता है, प्रेम नहीं।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

सौरव उसे देखता रहा।

"तो फिर?"

काव्या ने एक लंबी सांस ली।

"लेकिन मैं उस जीवन में वापस नहीं जा सकती, जहां मुझे अपने होने के लिए किसी और की अनुमति चाहिए।"

"मैं बदल गया हूं।"

"शायद।"

"फिर तुम मुझे एक मौका क्यों नहीं देती?"

काव्या ने सामने मां दुर्गा की प्रतिमा की ओर देखा। मां की आंखों में वही शक्ति थी, जिसके सामने वह पिछले तीन वर्षों से सिर झुकाती आई थी, वह धीरे से बोली,

"क्योंकि मैंने तीन साल तुम्हारे लौटने की प्रार्थना की है।"

सौरव चुप रहा, काव्या की आवाज़ और धीमी हो गई।

"अब डर लगता है... अगर तुम लौट आए, तो कहीं मैं फिर खुद से दूर न हो जाऊं।"

सौरव के पास कोई उत्तर नहीं था, कुछ क्षण दोनों चुप खड़े रहे। फिर काव्या ने कहा,

"तुम मेरे जीवन का बहुत सुंदर हिस्सा थे, सौरव। लेकिन अब मैं अपने जीवन की पूरी कहानी तुम्हारे नाम नहीं कर सकती।"

वह मुड़ी और भीड़ में खो गई। उस रात घर लौटकर उसने अपनी पुरानी डायरी निकाली। पहले पन्ने पर अब भी वही वाक्य लिखा था,

"मां, उसे मेरे पास वापस भेज देना।"

काव्या देर तक उसे देखती रही, फिर उसने कलम उठाई। उस वाक्य के नीचे लिख दिया,

"मां, अगली बार मुझे वही मत देना जो मैंने मांगा है।"

उसकी आंखों से आंसू गिर पड़े। उसने आंखें बंद कीं।

"अगर वह मेरे लिए नहीं है, तो उसे वापस मत भेजना।"

कुछ क्षण वह चुप रही, फिर उसके होंठ कांपे—

"इस बार मुझे, मेरी वह ज़िंदगी वापस देना, जिसे मैंने उसके इंतज़ार में कहीं पीछे छोड़ दिया।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

कवि कॉर्नर

कविता | नरेंद्र कुमार



दशहरा

आया - आया दशहरे का त्योहार।
रावण , मेघनाथ का करो सिंगार।।

रावण का बड़ा पुतला दस सिर वाला।
लम्बी - लम्बी मूंछें मुंह फिर काला।।

पाखंडी बनके सीता का हरण किया।
हनुमान ने भी ढूंढने का प्रण लिया।।

राम - लक्ष्मण ने लंका में युद्ध किया।
राम ने रावण को दण्ड ख़ुद दिया।।

सौंप के राज विभीषण को लंका का।
तीनों लोक में बजा दिया डंका सा।।

कविता | सपना



इंसान

क्यों हर चेहरे पे मुखौटा है ?
क्यों हर शब्द में बनावट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी छवि
औरों पे सवाल उठाता है ।

क्यों हर हँसी कृत्रिम है ?
क्यों हर प्रशंसा छलपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी मर्यादा
औरों को व्यवहार सिखाता है ।

क्यों हर भरोसे में विश्वासघात है ?
क्यों हर कर्म स्वार्थपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना कर्तव्य
औरों को दायित्व समझाता है ।

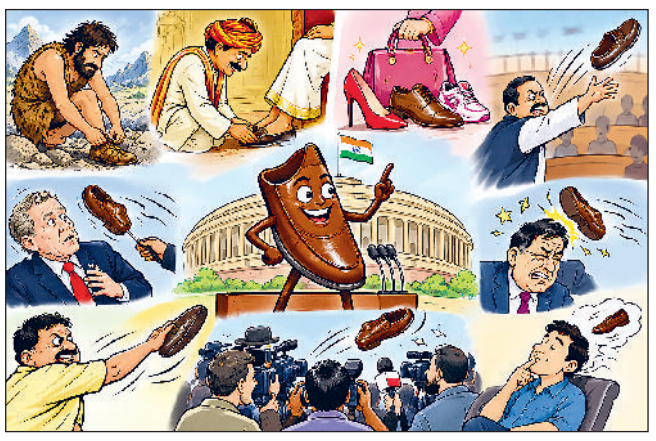
क्यों हर शब्द में अहंकार है ?
क्यों हर कथन में कड़वाहट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना स्वभाव
औरों को नम्रता का पाठ पढ़ाता है ।

क्यों हर व्यवहार में मिथ्या है ?
क्यों हर आचरण में ढोंग है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी वास्तविकता
औरों को यथार्थ दिखाता है ।

हमारे देश में जूतों का बड़ा नाम है...



व्यंग्य | आसिम अनमोल



जूतों का इतिहास बेहद प्राचीन और दिलचस्प रहा है , जो मौसम और पथरीली ज़मीन से पैरों की सुरक्षा करने की ज़रूरत से शुरू होकर आज चारों तरफ़ उछल रहा फैशन का सबसे बड़ा हिस्सा बन चुका है। हमारे देश में जूतों की भी अपनी संस्कृति हुआ करती थी। जूतों को बड़े सम्मान से पैरों में पहना जाता था। जूते हमारे पैरों का विशेष ध्यान रखते थे। आज जूते पैरों से उतरकर हाथों की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हाथों से उछलकर संसद तक अपनी प्रतिष्ठा दिखा रहे हैं। जूते कम समय में इतनी बड़ी पहचान बना लेंगे, यह कल्पना भी नहीं की गई थी। यहां कुछ न चल रहा हो लेकिन जूते ऐसे चल पड़ते हैं, जैसे हमारे देश में मुंह उठाकर महंगाई चल पड़ती है। जूतों ने विगत वर्षों में कई ज़ोरदार आवाज़े उठाई हैं। कहीं व्यवस्था, युद्ध या फैसलों से तंग आकर जूता रूपी आवाज़ उठी है। कहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश को एक पत्रकार द्वारा यह कहकर तोहफे में दिए गए हैं कि यह इराक के अनाथों और विधवाओं की तरफ़ से विदाई का चुम्बन है। गौरतलब है कि इसी घटना के बाद से जूता फेंककर विरोध जताने का एक अनोखा चलन शुरू हो गया। अब जूते की भी अपनी एक आवाज़ स्थापित हो गई। जैसे नेता बोलने में माहिर होता है, वैसे ही जूता भी अब खामोश नहीं रहता। उछलकर खुद को स्थापित करता है। जूता उछालना और गुस्से का इज़हार करना अब प्रसांगिक हो गया है। यानी जूता जूता होता है। इसलिए जूते से जूते जैसा काम लिया जाता है। जूता उछालने पर सामने वाले की इज्ज़त भले ही जूते जैसी हो जाए। इससे जूते को कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि जूता इंसान नहीं जूता होता है। जूते का काम जुबान बनकर सीधा सवाल करना होता है। अब तो मीडिया को भी इंतज़ार रहता है कि कब प्रेस कॉन्फ्रेंस हो और कब जूता किसी की इज्ज़त पर शेयर मार्केट की तरह उछले और हमें बैठे बिठाए कवरेज हासिल हो जाए। यहां जूते को कोई नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। न ही जूता कोई फ़ालतू चीज़ होता है। जूता जुबान से लेकर हाथों से उछालने या मारने जैसी प्रक्रिया से होकर गुज़रता है। किसी से अनबन हुई तो बंदा तुरंत जूते की फिजिकल फिटनेस का परिचय देते हुए संबोधित करता है कि बेहिसाब पड़ेंगे। अब भले ही पड़े एक भी नहीं। यही तो जूते की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि जूता चला भी नहीं और जूते ने अपना काम भी कर दिया। और जहां चला, वहां जूते ने अपना नाम कर दिया। असल में जूते कभी शोरूमों की शोभा एवं पैरों की जीनत हुआ करते थे। दौर बदला तो जूते शोरूमों से बाहर आकर अपनी अहमियत दिखाने लगे। तभी से जूतों ने अपनी ताक़त को पहचानना आरम्भ कर दिया। जिधर देखिए, जूते को फेंककर मारने की परंपरा विकसित होती जा रही है। जूते चलाने में एक सुविधा का जिक्र भी कर दूं कि जुबान थकने से बच जाती है। दिमाग़ की ऊर्जा भी बर्बाद नहीं होती। यानी जूते का काम बड़ा आसान है। इसी लिए हमारे देश में जूते का बड़ा नाम है।

कुछ हटकर

एआई से करियर को दें नई उड़ान

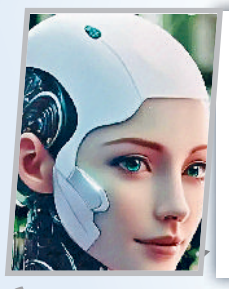
सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल अब केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, बैंकिंग, मीडिया, डिजिटल विपणन और कारोबार में भी एआई उपकरणों की मदद ली जा रही है। इससे युवाओं के लिए करियर के नए विकल्प सामने आ रहे हैं। एआई सीखने के लिए शुरुआत में महंगी डिग्री जरूरी नहीं, लेकिन बेहतर नौकरी पाने के लिए संबंधित कौशल और व्यावहारिक अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

कौशल जरूरी

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।



प्रशिक्षण विकल्प

- आईबीएम स्किल्सबिल्डः एआई, डेटा और डिजिटल कौशल के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- माइक्रोसॉफ्टः एआई की बुनियादी जानकारी और व्यावहारिक उपयोग सीखने के संसाधन।
- कनाइलिटः एआई, मशीन लर्निंग और प्रोग्रामिंग से संबंधित पाठ्यक्रम।

कितनी पढ़ाई जरूरी

- एआई उपकरणों का सामान्य इस्तेमाल सीखने के लिए 10वीं या 12वीं के बाद भी शुरुआत संभव।
- डेटा विश्लेषण के लिए आंकड़ों और कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी उपयोगी।
- ड-एआई इंजीनियर या मशीन लर्निंग विशेषज्ञ बनने के लिए प्रोग्रामिंग, गणित और संबंधित तकनीकी ज्ञान जरूरी।
- कुछ तकनीकी पदों पर स्नातक डिग्री या उच्च शैक्षणिक योग्यता मांगी जाती है।

कितनी हो सकती है कमाई

एआई और मशीन लर्निंग से जुड़े कुछ तकनीकी पदों पर शुरुआती वेतन लगभग 4 से 10 लाख रुपये सालाना या अधिक हो सकता है।-डिजिटल सामग्री और एआई उपकरणों से जुड़े शुरुआती कामों में कमाई कम हो सकती है।-स्वतंत्र रूप से काम करने वालों की आय ग्राहकों, परियोजनाओं और काम की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।यहां मिलेंगे अवसर-आईटी कंपनियों, बैंकिंग, ई-कॉमर्स और स्वास्थ्य सेवाओं में।-मीडिया, डिजिटल विपणन और शिक्षा क्षेत्र में।-डेटा विश्लेषण, तकनीकी सहायता और एआई आधारित सॉफ्टवेयर विकास में।-नौकरी के लिए आवेदन करने से पहले संबंधित पद की योग्यता और अनुभव की शर्तें देखें।

मोटिवेशनल

हम अक्सर खुशियों को टालते क्यों रहते हैं ?

हम अक्सर सोचते हैं कि जब हमारी नौकरी बेहतर होगी, आय बढ़ जाएगी या सारी मुश्किलें दूर हो जाएंगी, तब हम चैन से खुश हो पाएंगे। इसी 'तब' के इंतजार में वर्तमान का खूबसूरत पल पीछे छूटता चला जाता है। हम छोटी खुशियों को इस बहाने टाल देते हैं कि अभी बहुत कुछ पाना शेष है। और इसी इंतजार में हम आज को जीना भूल जाते हैं। परंतु जीवन कभी भी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त नहीं होता। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी खड़ी हो जाती है। फिर खुश होने के लिए किसी विशेष दिन का इंतजार क्यों करना?



डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

कभी-कभी हम खुशी के इंतजार में उस खुशी को ही खो देते हैं, जो हमारे पास पहले से होती है। अचानक मिलने वाली छोटी सी खुशी भी जीवन को सुंदर बना देती है। खुशी कोई पड़ाव नहीं है, बल्कि उन छोटे पलों का अहसास है जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। खुशी के लिए हमेशा बड़ी उपलब्धियों की जरूरत नहीं होती, कभी-कभी मन का सुकून ही सबसे बड़ी खुशी होता है। अतः जीवन को केवल एक बेहतर भविष्य की प्रतीक्षा में नष्ट न करें। जो खुशी आज आपके पास है, उसका आनंद आज ही लें—क्योंकि जीवन इंतजार करने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। इसके लिए हमेशा खुश रहने के निम्न प्रमुख तरीके अपनाएं।

तुलना करना बंद करें: दूसरों से अपनी तुलना करना छोड़ दें और जो कुछ आपके पास है, उसके लिए आभार (कृतज्ञता) व्यक्त करें।

वर्तमान में जिएं: भविष्य की चिंता या बीती हुई बातों के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय आज और इस पल में जीना सीखें।

नियमित व्यायाम और नींद: मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की भरपूर नींद लें और नियमित व्यायाम करें।

संतुलित आहार लें: अपने खान-पान में ताजे फल, हरी सब्जियां और पौष्टिक आहार को शामिल करें।

लघुकथा

सैन्य अनुशासन

सुबह-सुबह कर्नल साहब ने अपनी रौबदार आवाज में पत्नी से कहा —
"जरा स्टोर की चाबी देना, कुछ निकालना है।"
पत्नी ने चाबी तो थमाई, साथ ही हिदायत भी दी —
"काम हो जाए तो ठीक से ताला बंद कर दीजिएगा, कामवाली आने वाली है।"
कर्नल साहब बड़े एहतियात से स्टोर में गए, कुछ ढूँढा, फिर पूरे आत्मविश्वास के साथ ताला लगाया— क्लिक!
चाबी वापस पत्नी को देते हुए बोले, "मिशन पूरा!"
दोपहर को जब पत्नी जी स्टोर में कुछ निकालने पहुंचीं तो नजर पड़ते ही माथा ठनका।
डंडाले के दो छिद्रों में से ताला ऊपर वाले छिद्र में झूल रहा था यानी ताला तो बस दिखावे का पहरा था!
जो चाहे, बिना चाबी के स्टोर खोल ले!



नील मणि
साहित्यकार

स्टोर के दरवाजे पर दो छिद्रों वाला छोटा डंडाला लगा था जिसमें नीचे वाले छिद्र में रोड डालने के बाद डंडाला नीचे दबा ऊपर से ताला लगाते हैं।
पत्नी ने आवाज लगाई -"सुनिए जरा, आपने ताला लगाया था?"
कर्नल साहब ने गर्व से कहा, "हां, बिल्कुल लगाया था! क्यों?"
"जरा खोल दीजिए"
कर्नल साहब मिशन मोड में बड़े आत्मविश्वास के साथ चाबी लेकर स्टोर की ओर कूच कर गए। ताले में चाबी छिद्र में चाबी डालने ही वाले थे कि देखा- ताला तो शोभा की चीज बना हुआ था। डंडाला तो बिना चाबी के ही खुल गया!
क्षणभर के लिए दोनों की निगाहें मिलीं —
अब पत्नी की आंखों में मौन मुस्कान, कर्नल साहब के चेहरे पर झेंपी हुई बहादुरी और शौर्य से उपजा संकोच तैर रहा था।
पत्नी बुदबुदाई —
"सैन्य अनुशासन घर आते-आते पता नहीं कहां छुट्टी पर चला जाता है।"

हनुमान के लंका प्रस्थान से हुई लीला की शुरुआत

रामलीला परिषद में उमड़ा जनसैलाब लंका दहन की लीला ने बांधा समां





महेंद्रगढ़। लीला का मंचन करते कलाकार तथा लीला के दौरान मंचन करते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

श्री रामलीला परिषद के रंगमंच पर नवम रजनी में शुक्रवार रात लंका दहन की अद्भुत लीला का भव्य मंचन किया गया। लीला को देखने के लिए भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा, जिससे पूरा प्रांगण भक्ति और आस्था के अद्भुत माहौल में रंग गया। लीला की शुरुआत हनुमान के लंका प्रस्थान से हुई। समुद्र लांघकर अशोक वाटिका में माता सीता की खोज का दृश्य देख दर्शक भावविभोर हो गए। इसके बाद रावण-अशोक वाटिका संवाद और हनुमान-रावण संवाद का सशक्त मंचन हुआ। जब हनुमान ने अपनी पूंछ से पूरी लंका में आग लगाई तो पंडाल में बैठे हजारों दर्शकों ने जय बजरंग बली के गगनभेदी जयकारे लगाए। आतिशबाजी और लंका दहन के दृश्य ने माहौल को रोमांचक बना दिया। हनुमान के अद्भुत पराक्रम और भक्ति को देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। लीला के अंत में पूरा प्रांगण जय श्री राम और जय श्री बालाजी महाराज के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर श्री रामलीला परिषद के पदाधिकारी सहित हजारों धर्मप्रेमी सज्जन सपरिवार मौजूद रहे।

लंका दहन की लीला ने दिया धर्म, साहस व मर्यादा का संदेश

महेंद्रगढ़। श्री आदर्श रामलीला कमेटी के रंगमंच पर लंका दहन की लीला का प्रभावशाली मंचन किया गया। इस दौरान भगवान श्रीराम की भक्ति, हनुमान के अदम्य साहस और बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश दिया गया। लीला देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे और कलाकारों के अभिनय की सराहना की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व जिला पार्षद राकेश उर्फ गौतम बुडीन रहे। अध्यक्षता सिंटू यादव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच दीपिका यादव एवं प्रवीण यादव उपस्थित रहे। अति विशिष्ट अतिथि जिला बार एसोसिएशन नारनौल के प्रधान एडवोकेट चौधरी विजय पाल सिंह रहे। मुख्य अतिथि राकेश उर्फ गौतम बुडीन ने धार्मिक परंपराओं के महत्व को रेखांकित करते हुए रामायण से प्रेरणा लेने और सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। वहीं, एडवोकेट चौधरी विजय पाल सिंह ने धार्मिक ग्रंथों में निहित आदर्शों का उल्लेख करते हुए कर्तव्यनिष्ठा, मर्यादा और नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। सरपंच दीपिका यादव ने अपने धार्मिक संदेश में कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, सत्य, त्याग और धर्मपालन की अनुपम प्रेरणा देता है। रामायण केवल धार्मिक कथा नहीं, बल्कि मानव जीवन को सन्मार्ग पर चलने की शिक्षा देने वाला पवित्र ग्रंथ है। उन्होंने कहा कि हनुमान की प्रभुभक्ति, समर्पण और अदम्य साहस हर व्यक्ति के लिए अनुकरणीय हैं। धार्मिक ग्रंथों की शिक्षाओं को जीवन में अपनाकर भावी पीढ़ी में संस्कार, श्रद्धा और धर्म के प्रति आस्था जागृत करनी चाहिए। यही भगवान श्रीराम की सच्ची आराधना है। लीला के दौरान हनुमान द्वारा अशोक वाटिका उजाड़ने, अक्षय कुमार वध और लंका दहन के प्रसंगों का सजीव मंचन किया गया। हनुमान, मेघनाद और रावण के बीच प्रभावशाली संवादों तथा कलाकारों के दमदार अभिनय ने दर्शकों को प्रभावित किया।

युवा क्लब की 21 अक्टूबर को होगी रामलीला प्रतियोगिता

महेंद्रगढ़। युवा क्लब द्वारा श्री रामलीला परिषद रंगमंच पर 21 अक्टूबर को भगवान श्रीराम की मानवीय लीलाओं के प्रसंगों के मंचन की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता शाम छह बजे से शुरू होगी। कार्यक्रम का उद्देश्य भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों, आदर्शों और मर्यादाओं को मंचन के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाना तथा युवाओं की प्रतिभा को प्रोत्साहित करना है। युवा क्लब के प्रधान अमित मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 21 हजार रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 11 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 7100 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि युवा क्लब महेंद्रगढ़ समय-समय पर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक गतिविधियों के माध्यम से युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का प्रयास करता रहा है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

■ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को नकद पुरस्कार देकर किया जाएगा सम्मानित



नारनौल। रामलीला में मंचन करते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

चांदूवाड़ा रामलीलाः 'अशोक वाटिका व लंका दहन' का मंचन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

मोहल्ला चांदूवाड़ा स्थित श्री धार्मिक रामलीला ट्रस्ट की ओर से आयोजित 77वें ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव में शनिवार की रात धर्म प्रेमियों का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। वर्ष 1950 से अनवरत चली आ रही इस गौरवशाली परंपरा के तहत जब मंचन शुरू हुआ, तो शहर और दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से पहुंचे राम भक्तों के गगनभेदी जयकारों से पूरा प्रांगण गूंज उठा।

संरक्षक शंभू दयाल गर्ग के मार्गदर्शन, संस्थापक पं. रेवती नंदन जी हरित के आशीर्वाद और डॉ. मनोज वर्मा के कुशल निर्देशन में सजे इस भव्य मंच पर दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शनिवार रात्रि को आयोजित इस भव्य महोत्सव में 'अशोक वाटिका, लंका दहन' लीला का बहुत ही सुंदर मंचन किया गया। इस लीला में विभिन्न कलाकारों ने अपनी शानदार कला का प्रदर्शन किया। श्री राम दल में राम के रूप में दीपक हरित, लक्ष्मण के रूप में अनिल चौहान, हनुमान के रूप में तरुण सोनी, सुग्रीव के रूप में जोगेंद्र हल्पादिया, अंगद के रूप में लोकेश सोनी और जामवंत के रूप में लखन सोनी ने अपनी भूमिकाओं को जीवंत किया। लंका दल में रावण की भूमिका विशाल हरित ने निभाई, जबकि मेघनाद के रूप में अंशु हरित, अक्षय कुमार के रूप में यवानी, विभीषण के रूप में सत्यम वर्मा, मंदोदरी के रूप में विकास चौहान और माली के रूप में बादल ने मंच पर अपनी कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आज होगा कुंभकरण, मेघनाथ व अहिरावण वध

ट्रस्ट के प्रधान संजय गर्ग, सचिव दीपक हरित, कोषाध्यक्ष जगदीश भारद्वाज एवं रामलीला प्रधान नरेंद्र जैन ने बताया कि महोत्सव के अगले क्रम में सोमवार रात को कुंभकरण वध, मेघनाथ वध, अहिरावण वध और चंडी की भेंट का मंचन किया जाएगा।



मंडी अटेली। श्री शिव रामलीला समिति की रामलीला में प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

रामलीला में बाली वध के बाद हनुमान ने जलाई लंका

मंडी अटेली। अटेली मंडी के झंडा चौक पर श्री शिव रामलीला समिति की ओर से आयोजित रामलीला के 12वें दिन बाली वध और लंका दहन की लीला का मंचन किया गया। कलाकारों के शानदार अभिनय ने दर्शकों का मन मोह लिया। रामलीला में बाली का अभिनय अशोक गुप्ता, सुग्रीव का वेदप्रकाश भारद्वाज और हनुमान का अभिनय संजय गुप्ता ने किया। इस मौके पर सरपंच लीलाराम व राहुल गोयल ने कहा कि रामलीला हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत है। ऐसी आयोजनों से भगवान श्रीराम के आदर्शों की प्रेरणा मिलती है।

हनुमान ने किया अक्षय का वध और लंका का दहन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

श्री दुर्गा रामलीला सेवा समिति निवाजनगर में आठवें दिन की लीला में अक्षय कुमार वध लंका दहन व रावण-विभीषण संवाद की लीला का मंचन किया गया। लीला का शुभारंभ रमेश जोशी, दिनेश जोशी, महेंद्र जोशी व सुरेंद्र जेई ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया। इसमें पहला दृश्य विभीषण ने हनुमान जी को अशोक वाटिका में माता सीता के पास भेजा। वाटिका में अक्षय कुमार हनुमान का युद्ध हुआ। जिसमें अक्षय कुमार मारा गया। मेघनाद ने हनुमान को बंदी बनाकर रावण दरबार में पेश किया गया। हनुमान ने रावण को समझने के लिए बहुत प्रयास किया लेकिन रावण नहीं माने। रावण ने अपने मंत्री से हनुमान जी की पूंछ में आग लगाने के लिए कहा। जिससे हनुमान ने लंका का दहन किया। अंत में रावण विभीषण के बीच संवाद चला और रावण ने विभीषण को लात मार कर घर से बाहर निकाल दिया। विभीषण भगवान श्रीराम के पास चले आए और अंत में वानर सेना ने पुल तैयार कर समुद्र को पार किया। अंगद को रावण दरबार में रावण को समझने के लिए भेजा। इसमें रावण का अभिनय शशिकांत वर्मा, मेघनाथ का कुलदीप सैनी, मंत्री का हर्ष, विभीषण का पवन कुमार, राम का योगेश सैनी, लक्ष्मण का रवि सैनी, सीता का युवराज सैनी, हनुमान का वीरेंद्र शर्मा, सुग्रीव का शिव स्वामी, जामवंत कराल स्वामी ने बेखुदी से निभाया। इस मौके पर मोहर सिंह सैनी, राजकुमार गोडवाल, मदनलाल वर्मा, किशनलाल जोशी, कृष्ण दूधिया, कृष्ण सैनी, कमल सैनी, विनोद वर्मा, राजीव सैनी व कमेटी के समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।



नारनौल। रामलीला मंचन करते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

सरस्वती स्कूल की पूर्व छात्रा आरती तंवर का एचसीएस में चयन, तहसीलदार बनकर संभालेंगी जिम्मेदारी

नांगल चौधरी। सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की पूर्व छात्रा आरती तंवर ने हरियाणा सिविल सर्विसेज रीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। रैंकिंग प्रक्रिया के बाद उनका चयन तहसीलदार श्रेणी में हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों ने मेधावी छात्रा को बधाई दी तथा जनसेवा के लिए प्रेरित किया है। प्राचार्या वंदना यादव ने बताया कि आरती तंवर ने 12वीं कक्षा तक इसी विद्यालय में शिक्षा प्राप्त की। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने स्नातक की पढ़ाई की और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने पहले ही प्रयास में सीजीएल परीक्षा उत्तीर्ण कर इनकम टैक्स इंस्पेक्टर का पद हासिल किया। वर्तमान में वह गुरुग्राम में सेवाएं दे रही हैं। आरती तंवर ने इसके बाद भी अपनी तैयारी जारी रखी और हरियाणा लोक सेवा आयोग की एचसीएस परीक्षा में शामिल हुईं। इस परीक्षा में सफलता प्राप्त कर उन्होंने तहसीलदार श्रेणी में स्थान हासिल किया। उनकी उपलब्धि उन युवाओं के लिए प्रेरणादायक साबित होगी, जो प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से प्रशासनिक सेवाओं में जाने की तैयारी कर रहे हैं। विद्यालय के चेयरमैन दयाराम यादव ने कहा कि स्कूल में विद्यार्थियों को एकेडमिक शिक्षा के साथ प्रायोगिक ज्ञान और प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुरूप तैयारी कराने पर भी ध्यान दिया जाता है। इससे विद्यार्थियों को भविष्य में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल करने में मदद मिलती है।



सीजीएल परीक्षा के पहले प्रयास में बनी थीं इनकम टैक्स इंस्पेक्टर अब एचसीएस में सफलता हासिल कर बढ़ाया क्षेत्र का गौरव



15 साल से माह में एक संडे को गो सवामणी लगा रहा श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान

नारनौल। श्री गो गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान के तत्वावधान में रविवार श्रीगोपाल गौशाला में मासिक गो सवामणी आयोजित की गई। इसमें मुख्य यजमान समाजसेवी लखन अग्रवाल, संजय सैनी, जितेन्द्र शर्मा, राजकुमार चौधरी एडवोकेट, सोनू बंसल व कमल बंसल ने गणपति पूजन एवं गौ माता का पूजन किया। आचार्य पं. मनीष निर्मल शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण से विधि-विधान पूर्वक संपन्न कराया गया। इस दौरान सैकड़ों गौ माताओं को 51 किलो की सवामणी हरा चारा, गुड़, मेथी, दलिया, फल व सब्जी का भोग अर्पित किया गया। इस अवसर पर आचार्य मनीष शास्त्री ने गौ सेवा के लाभ बताए हुए कहा कि हमारे शास्त्रों में गौ सेवा को सर्वोपरि बताया गया है। महाभारत अनुशासन पर्व में कहा है गांवों विश्वस्य मातरः गो माता पूरे विश्व की माता हैं। जहां तक गो सेवा करने से मिलने वाले लाभ की बात है तो गो माता के दर्शन, स्पर्श और गोशाला की परिक्रमा से बड़े-बड़े असाध्य रोग दूर होते हैं। गो मूत्र और गोबर में साक्षात लक्ष्मी का वास माना गया है, जो वातावरण को शुद्ध करता है। प्रतिदिन गो को एक रोटी खिलाने से पितृ प्रसन्न होते हैं और नवग्रह शांत होते हैं। सवामणी करने से परिवार में सुख-शांति आती है। एक गो माता की सेवा से 33 कोटि देवी-देवताओं की सेवा का फल मिलता है। महीने में एक दिन, पहले रविवार को आधा घंटा निकालकर गोशाला जरूर आएं।

विजय इंटरनेशनल स्कूल में गरबा महोत्सव मनाया

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल में गरबा महोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ विद्यालय के सभी अध्यापकों ने भी भाग लिया। पारंपरिक संगीत की धुनों पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने गरबा नृत्य कर पूरे विद्यालय परिसर को उत्सव के रंग में रंग दिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय सचिव महेंद्र द्वारा मां सरस्वती के सामने द्वीप प्रज्जलवित करके की गई। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में भारतीय संस्कृति और परंपराओं की अनूठी छटा देखने को मिली। गरबा की मधुर धुनों पर थिरकते विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। शिक्षकों ने भी बच्चों के साथ गरबा करके उनका उत्साह बढ़ाया। सभी ने मिलकर नृत्य किया और आपसी प्रेम, भाईचारे, एकता एवं सांस्कृतिक सद्भाव का संदेश दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान विद्यालय का वातावरण उमंग, उल्लास और खुशियों से सराबोर रहा। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बताया कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, संस्कारों और परंपराओं से जोड़ना भी है।





नारनौल। बैठक में हिस्सा लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में पीटीएम में प्रस्तुत की प्रगति रिपोर्ट

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में रविवार को जूनियर एवं सीनियर विंग की पैरेंट्स-टीचर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्राचार्य वेदपाल यादव ने कहा कि पैरेंट्स-टीचर मीटिंग का मुख्य उद्देश्य विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना है, ताकि बच्चों को न केवल शैक्षणिक रूप से मजबूत बनाया जा सके, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, अनुशासित और आत्मविश्वासी नागरिक के रूप में भी विकसित किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का अपना व्यक्तित्व और सीखने का तरीका होता है। उप-प्राचार्य संदीप खैरवाल ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों की कमियों को बार-बार गिनाना अथवा उनकी लगातार आलोचना करना अभिभावकों को पीटीएम में आने से हतोत्साहित कर सकता है। विद्यालय चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने पीटीएम में पहुंचे सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

अभिभावक शिक्षक बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

महेंद्रगढ़। सरस्वती शिक्षा निकेतन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय माजरा कलां में अभिभावक-शिक्षक बैठक हुई, जिसमें काफी अभिभावकों ने भाग लिया और अध्यापकों से अपने बच्चों की शिक्षा, संस्कार और उनकी रचनाशीलता विषयों पर विचार-विमर्श किया। आरआरसीएम ग्रुप चेयरमैन रोशनलाल यादव ने बैठक में भाग लेने पर सभी अभिभवकों का आभार व्यक्त किया और बताया कि इस प्रकार की बैठक बच्चों की पढाई के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सहायक होती हैं। संस्था के निदेशक विपुल यादव ने भी अभिभावकों से बच्चों की पढाई संबंधी विषयों पर विस्तृत चर्चा की। संस्था प्रधानाचार्य ने इस बैठक में शामिल होने पर सभी अभिभवकों का आभार प्रकट किया।



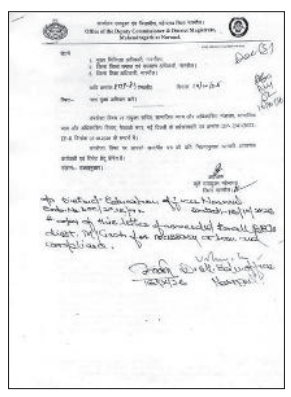
जिले में जागरूकता एवं नशा रोकथाम गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश

प्रमुख आध्यात्मिक व सामाजिक संगठनों के साथ समझौता, नशे के खिलाफ करेंगे जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नशा मुक्त भारत अभियान को जन-जन तक पहुंचाने और नशीले पदार्थों के सेवन की रोकथाम के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने जिला स्तर पर जागरूकता एवं निवारक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया है। इस संबंध में मंत्रालय के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव डॉ. संदीप आर. राठौड़ ने पत्र जारी कर जिला उपायुक्तों को आवश्यक सहयोग एवं समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जिला उपायुक्त एवं जिला मजिस्ट्रेट, महेंद्रगढ़ स्थित नारनौल के कार्यालय की ओर से जारी पत्र के माध्यम से मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने तथा नियमानुसार रिपोर्ट भेजने के लिए कहा गया है। मंत्रालय के पत्र के अनुसार नशा मुक्त भारत अभियान देशव्यापी जन आंदोलन के रूप में संचालित किया जा रहा है। इसका विशेष ध्यान बच्चों, युवाओं और शिक्षण संस्थानों पर है, ताकि नशीले पदार्थों के सेवन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा सकें। अभियान को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए मंत्रालय ने आर्ट ऑफ लिविंग, संत निरंकारी मिशन, ब्रह्माकुमारीज, अखिल विश्व गायत्री परिवार, इस्कॉन, पतंजलि योगपीठ, रामचंद्र मिशन, शिवानंद योग वेदांत आश्रम, चिन्मय मिशन, दिव्य ज्योति जागृति संस्थान, हरे कृष्ण मूवमेंट और बॉस्कोनेट सहित 13 प्रमुख आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन किए हैं। इन संगठनों के स्वयंसेवकों और व्यापक जनसंपर्क नेटवर्क के माध्यम से जिलों एवं खंड स्तर पर जागरूकता और नशा रोकथाम गतिविधियां संचालित करने की योजना है।



नारनौल। जारी किया गया पत्र

जागरूकता सत्र

पत्र में जागरूकता सत्र नशे के दुष्प्रभावों पर संवाद, संकल्प गतिविधियां, संवादात्मक कार्यक्रम, प्रेरक सत्र तथा योग एवं ध्यान जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देने की बात कही गई है। इसके अतिरिक्त, नशे की समस्या से उबर रहे लोगों को भावनात्मक एवं सामाजिक सहयोग देने, परिवार और समुदाय के साथ उनके संबंध मजबूत करने तथा दोबारा नशे की ओर लौटने से रोकने में भी इन संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी गई है। मंत्रालय ने जिला प्रशासन से अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप समन्वय स्थापित करने और नशामुक्ति केंद्रों सहित संबंधित संस्थानों के सहयोग से गतिविधियों को प्रभावी बनाने की अपेक्षा की है। इन प्रयासों का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखना, समाज में सकारात्मक व्यवहार को प्रोत्साहित करना और नशामुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करना है।

लोक संस्कृति के अनमोल धरोहर थे पंडित गणपत राम, 100वीं जयंती पर किया नमन

महेंद्रगढ़। पंडित गणपत राम लोक संस्कृति मंच की ओर से आशु कवि पंडित गणपत राम शर्मा की 100वीं जन्म जयंती पर पंडित गणपत राम स्मृति स्थल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने उनकी प्रतिमा पर फूलमालाएं पहनाकर पुष्प अर्पित किए और उनके साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान को याद किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। मंच के अध्यक्ष रविदत्त महाशय ने बताया कि पंडित गणपत राम शर्मा का व्यक्तित्व बेहद शांत, चिंतनशील और प्रेरणादायक था। उनकी गायन शैली गंभीर और साहित्यिक विशेषताओं से परिपूर्ण थीइस अवसर पर मंच के संरक्षक मनोज शर्मा, हरचंद सैनी, विकास लटीवाल, पंच मोहित जैलदार, चौधरी बिजेंद्र, गजानंद सेन, नरेंद्र शर्मा, पोहकर मल सैनी, रमेश शर्मा, हरि सिंह गुर्जर, पवन शर्मा, दौलत राम सैनी, प्रिंस, दिनेश सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।



महेंद्रगढ़। प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

NOTICE

I Mandeep Jat S/o Pawan Kumar R/o Village Balaha Khurd Teh. Narnaul Distt. Mahendergarh Haryana declare that my name Mandeep is wrongly mentioned in my Adhaar Card no. 928336248457. My correct name is Mandeep Jat. necessary correction as per Rule.

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत कांटी द्वारा बस स्टैंड पर नवनिर्मित 32 दुकानों को किराये पर छोड़ने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा निर्धारित दिनांक 21-10-2026 बुधवार को सुबह 10 बजे किराये की खुली बोली लगाई जाएगी। इच्छुक बोली दाता किराये पर दुकान लेकर लाभ उठाएं।

हस्ता/- सरपंच , ग्राम पंचायत कांटी
खण्ड अटेली नांगल
जिला महेंद्रगढ़

शोभासागर तालाब परिसर में रावण के 51 फुट ऊंचे पुतले का होगा दहन



नारनौल। रावण का पुतला तैयार करते कारीगर।

- अलवर का 51 सदस्यों का गदका कौशल व शौर्य रहेगा अनोखा
- जुलूस की तैयारियों को लेकर बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

श्री आदर्श सनातन धर्म ड्रामेटिकल क्लब की ओर से शोभासागर तालाब परिसर में रावण दहन होगा। इसके लिए 51 फुट का पुतला तैयार किया गया है। दशहरा पर्व पर 20 अक्टूबर को शाम चार बजे पुल बाजार से विजय जुलूस आरम्भ होगा। इसमें अलवर का 51 सदस्यों का गदका कौशल व शौय का अनोखा प्रदर्शन करेंगे। खास बात यह भी रहेगी कि रावण दहन में ग्रीन पटाखों का इस्तेमाल होगा। इसके पश्चात रात आठ बजे से रामलीला स्टेज पर भगवान श्रीराम के राजतिलक एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित होगा।

यह जानकारी श्री आदर्श सनातन धर्म ड्रामेटिकल क्लब के कार्यकारी अध्यक्ष केशव संघी एडवोकेट व क्लब के संरक्षक किशन चौधरी एडवोकेट ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में दी। इस दौरान संरक्षक किशन चौधरी ने बताया कि क्लब द्वारा विजयदशमी का त्योहार हर वर्ष बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस वर्ष भी क्लब के तत्वाधान में विजयदशमी पर्व पर भगवान श्रीराम के भव्य विजय जुलूस का आयोजन किया जाएगा। इस बार विजय जुलूस का संयोजक प्रवीण संघी को बनाया गया है। प्रवीण संघी के अनुसार सभी बुकिंग पूरी कर ली गई है। शोभा सागर पर ग्रीन पटाखे, रंग बिरंगी लाइट्स, बड़ा स्टेज व हजारों लोगों के बैठने की व्यवस्था मुख्यत केंद्र बिंदु रहेंगे।

जुलूस के मुख्य आकर्षण

जुलूस में सबसे आगे अलवर का प्रसिद्ध अखाड़ा होगा। जिसमें 51 सदस्य अपने गदका कौशल व शौर्य का प्रदर्शन करेंगे। इसके पश्चात सर्वप्रथम भगवान सूर्यनारायण का विग्रह स्वरूप रथ पर सवार होगा। उसके पीछे एक बग्गी में भगवान राम के सहयोगी नल, नील, अंगद, सुग्रीव, जांबवंत जी सवार होंगे। तीसरे रथ में राजा राम, लक्ष्मण और हनुमान जी युद्ध स्थल की ओर प्रस्थान करते हुए दिखाई देंगे, जबकि अंत में लंकापति रावण युद्ध की ओर कूच करेगा। जुलूस में दिल्ली की प्रसिद्ध ताशा पार्टी, ढोल-नगाड़े, नाचने वाली बग्गियां, डीजे पिकअप,आकर्षक झांकियां तथा राजस्थान का मशहूर नागिन बैंड मुख्य आकर्षण के केंद्र होंगे।

शोभासागर पर मुख्य कार्यक्रम

शोभा सागर तालाब पर हजारों धर्मप्रेमियों के बीच भगवान श्रीराम और रावण के युद्ध का भव्य मंचन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव एवं पवन यादव (पलैक्स वाले) होंगे। जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता दानवीर भामाशाह मातादीन पनिहार करेंगे।

जुलूस का समय एवं मार्ग

भगवान श्रीराम के विजय जुलूस का शुभारंभ विजयदशमी के दिन शाम चार बजे पुल बाजार, आकाश गारमेंट के सामने से किया जाएगा। जुलूस शोभा सागर तालाब स्थित युद्ध स्थल पर पहुंचेगा।

ये रहे मौजूद

इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में हरियाणा लोक सेवा आयोग की सदस्य ममता यादव, भाजपा जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, अंकुश गोयल, हिमांशु अग्रवाल, राजेश बबलू चौधरी, महेश गुप्ता, अजय यादव, रामअवतार यादव गोद बलाहा, राजकुमार यादव एडवोकेट रातां वाले, लालचंद जोशी गुरुग्राम वाले, आर्किटेक्ट अनुज गुप्ता, चेयरपर्सन राकेश यादव, भाजपा नेता कैलाश सैनी, डॉ पुनीत शास्त्री, महिपाल यादव, पार्षद संदीप जैन बंटी, पार्षद विशाल सैनी, हर्ष सिंगला, गोपाल मित्तल, मुकेश मित्तल, संजय सैनी, देवकीनंदन दोखेरा वाले, सोनू जैन, कालू जी पेट्रोल पंप वाले, नवीन सत्यनारायण गुप्ता, हितेश वर्मा, पार्षद मोहित मित्तल, हरीश बंसल, प्रिंस अरोड़ा, सैनी सभा प्रधान हरीश सैनी एडवोकेट, सुनील गौड़, अरोड़ा महासभा के प्रधान नरेश गोगिया, जैन समाज प्रधान बल्लू चौधरी, युवा व्यवसायी दीपांकन गुप्ता, राजेश बंटी ठेकेदार, पार्षद प्रेमलता, पार्षद राजेन्द्र सैनी, पार्षद मोहन शर्मा एवं नगर परिषद के उपप्रधान संजीव यादव मुख्य रूप से आमंत्रित होंगे।

खबर संक्षेप

भाजपा कार्यकारिणी एवं शक्ति केंद्र प्रमुखों की बैठक

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय नमो कमल पर जिला पदाधिकारी एवं शक्ति केंद्र प्रमुखों की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष डॉ यतेंद्र राव व जिला प्रभारी वरुण श्योरान ने जन प्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष व शक्ति केंद्र प्रमुखों को संबोधित किया।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ अर्चना गुप्ता व संगठन महामंत्री पवन राणा ने वर्चुअल माध्यम से उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने संगठन के पदाधिकारियों एवं शक्ति केंद्र प्रमुखों से संगठनात्मक कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने और पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

मरीजों को उपलब्ध कराई प्रोटीन युक्त डाइट किट

कनीना। प्रदेश में टीबी को जड से समाप्त करने के मकसद से विभिन्न सामाजिक संगठनों व समाज के प्रबुद्धजनों की ओर से टीबी मरीजों को गोद लिया हुआ है। जिन्हें समय-समय पर प्रोटीन युक्त डाइट प्रदान की जा रही है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की ओर से क्षय रोग उन्मूलन को लेकर तेजी से सामूहिक रूप से प्रयास किए जा रहे हैं। नगरपालिका की चेयरपर्सन डॉ रिम्पी लोढा की ओर से इस अभियान में सहयोग किया जा रहा है। ऐसे चिन्हित व्यक्तियों को पोषणयुक्त डाइट प्रदान की जा रही है।

राजस्थान-हरियाणा सीमा से घर पहुंचकर खरीदे जा रहे फल

सूखे से बेहाल किसानों को तुम्बा से आय की उम्मीद

ऋषि हर्बल आयुर्वेदा गांव डेरोली जाट की पहल

बारिश की कमी ने किसानों की मूंग और ग्वार की फसल को नुकसान पहुंचाया

विकास गोडवाल ▶▶| महेंद्रगढ़

बारिश की कमी ने किसानों की मूंग और ग्वार की फसल को नुकसान पहुंचाया तो प्राकृतिक रूप से उगने वाले इंद्रायण के तुम्बा फल उनके लिए अतिरिक्त आय की उम्मीद बनकर सामने आए। राजस्थान-हरियाणा सीमा से सटे गांवों में खेतों और आसपास की जमीन पर उगे इन फलों को पहले कोई खरीदार नहीं मिल रहा था। ऐसे में गांव डेरोली जाट स्थित ऋषि हर्बल आयुर्वेदा ने किसानों से तुम्बा फल खरीदने की पहल की है। संस्था की टीम किसानों के घर और गांव तक पहुंचकर फल एकत्र कर महेंद्रगढ़ ला रही है।

क्षेत्र के किसानों ने करीब 300 से 400 बीघा भूमि में मूंग और ग्वार की बिजाई की थी। प्रत्येक किसान ने खेती पर लगभग डेढ़ से दो लाख रुपये खर्च किए, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण अपेक्षित पैदावार नहीं मिल सकी। इससे किसानों को लागत की भरपाई की चिंता सताने लगी।

इसी दौरान खेतों में प्राकृतिक रूप से उगी इंद्रायण की बेलों पर लगे फल उनके लिए आय का एक वैकल्पिक जरिया बनकर सामने आए।



महेंद्रगढ़। खेत में रखे तुंबा फल। फोटो : हरिभूमि

प्राकृतिक उपज से अतिरिक्त आय की संभावना

ग्रामीण क्षेत्रों में इंद्रायण की बेल कई स्थानों पर प्राकृतिक रूप से उगती है। ऐसे में जहां पर्याप्त फल उपलब्ध हों, वहां किसान उनके संग्रहण और बिक्री से अतिरिक्त आय की संभावना तलाश सकते हैं। हालांकि, इससे होने वाली कमाई फलों की उपलब्धता, गुणवत्ता और खरीद दर पर निर्भर करेगी। बारिश की कमी से पारंपरिक फसलों को नुकसान झेल रहे किसानों के लिए यह पहल स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के आर्थिक उपयोग का विकल्प प्रस्तुत करती है।

सोशल मीडिया से किसानों को मिली जानकारी

ऋषि हर्बल आयुर्वेदा की ओर से इंद्रायण के फलों के संग्रहण और प्रसंस्करण से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाते हैं। इन्हें देखकर किसानों ने संस्था से संपर्क किया। इसके बाद टीम ने गांवों तक पहुंचकर फल खरीदने की प्रक्रिया शुरू की। इससे किसानों को अपनी ऐसी उपज के लिए खरीदार मिलने लगा, जो पहले खेतों में बेकार पड़ी रहती थी।

फल से लेकर बीज और तेल तक का उपयोग

ऋषि हर्बल आयुर्वेदा में इंद्रायण के फल और बीजों का प्रसंस्करण कर विभिन्न उत्पाद तैयार किए जाते हैं। इनमें फल से संबंधित जूस और चूर्ण, बीजों से तैयार मगज, बीजों से निकाला जाने वाला तेल तथा तेल से बनने वाला साबुन शामिल हैं। इस तरह फल के अलग-अलग हिस्सों का उपयोग कर उन्हें उत्पादों में बदलने का प्रयास किया जा रहा है।

न्यूज डायरी

प्राइवेट स्कूल एसो. कनीना की नई कार्यकारिणी गठित



महेंद्रगढ़। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की बैठक सदासुख मेमोरियल स्कूल कनीना में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जगदीश प्रसाद ने की। इसमें कनीना ब्लॉक के विभिन्न निजी विद्यालयों के संचालकों ने भाग लिया और संगठन की भावी कार्ययोजना तथा निजी स्कूलों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का चयन कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। नई कार्यकारिणी में एडवोकेट विनय यादव को प्रधान चुना गया। नरेंद्र यादव और बेगराज को उपप्रधान, मुनेश्वर दयाल को महासचिव, वीरेंद्र यादव को कोषाध्यक्ष तथा विनोद कुमार को सचिव नियुक्त किया गया। नई टीम के गठन पर उपस्थित स्कूल संचालकों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में चेयरमैन रोशनलाल यादव कहा कि निजी विद्यालय शिक्षा के प्रसार और विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में स्कूल संचालकों के बीच आपसी तालमेल, सहयोग और एकजुटता जरूरी है।

फर्जी निवेश व ट्रेडिंग ग्रुपों से रहें सतर्क



नारनौल। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि व्हाट्सएप और टेलीग्राम पर संचालित फर्जी निवेश एवं ऑनलाइन ट्रेडिंग ग्रुपों के माध्यम से साइबर ठग लोगों को भारी मुनाफे का लालच देकर उनकी मेहनत की कमाई हड़पने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि कम समय में रकम दोगुनी करने, निश्चित लाभ दिलाने अथवा शेयर बाजार में कमाई का विशेष अवसर देने जैसे दावों पर बिना जांच किए भरोसा न करें। किसी ग्रुप में साझा किए गए मुनाफे के स्क्रीनशॉट और अनजान लोगों की सफलता की कहानियां निवेश सुरक्षित होने का प्रमाण नहीं हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस प्रकार की धोखाधड़ी की शुरुआत अक्सर किसी अनजान व्हाट्सएप या टेलीग्राम ग्रुप में जोड़े जाने से होती है। इन ग्रुपों को वीआईपी इन्वेस्टमेंट, शेयर मार्केट टिप्स अथवा क्रिप्टो ट्रेडिंग जैसे आकर्षक नाम दिए जाते हैं। ग्रुप में पहले से मौजूद ठगों के साथी खुद को सामान्य निवेशक बताकर मोटी कमाई के दावे करते हैं और फर्जी स्क्रीनशॉट साझा करते हैं। इससे नए सदस्य को लगने लगता है कि अन्य लोग लगातार लाभ कमा रहे हैं और वह पीछे रह रहा है। इसी मानसिक दबाव और अधिक मुनाफे की उम्मीद का फायदा उठाकर ठग उसे निवेश के लिए तैयार करते हैं।



सुषमा स्वराज शक्ति केंद्र पर संगठन मजबूती पर जोर

नारनौल। सुषमा स्वराज शक्ति केंद्र के अंतर्गत शक्ति केंद्र प्रमुख सुरेंद्र सोनी के निवास स्थान पर संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला प्रभारी वरुण श्योराण विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट राकेश शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। बैठक में शक्ति केंद्र स्तर पर बूथों के सत्यापन तथा संगठन को मजबूत बनाने को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया। संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने और बूथ स्तर पर कार्यों की समीक्षा करने के विषय पर चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला प्रभारी वरुण श्योराण की मौजूदगी में संगठनात्मक कार्यों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन मनीष सांघी ने किया। बैठक का आयोजन शक्ति केंद्र प्रमुख सुरेंद्र सोनी के निवास स्थान पर किया गया। बैठक में राधेश्याम सर्राफ, विकास अग्रवाल, संजय अमन, मंजू सोनी, सरोज कश्यप, अजय सैन, संतोष शर्मा, सुरेंद्र नारनोलिया, कैलाशवती संघी, विनोद सोनी, जगदीश दीवान, रमेश जांगिड़, नरेंद्र आदि मौजूद थे।



मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह 13 दिसंबर को

नांगल चौधरी। बहरोड़ रोड़ पर स्थित जाट धर्मशाला में समाज की बैठक प्रधान कुलदीप जेलदार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें समाज सुधार अभियान को नई गति देने के लिए युवाओं की भागीदारी बढ़ाने का निर्णय लिया। साथ ही स्थापना दिवस 13 दिसंबर को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की रूपरेखा बनाई गई है। उन्होंने बताया कि समाज सुधार अभियान का अगला पड़ाव दोहान पच्चीसी क्षेत्र होगा। इसके तहत महरमपुर, मोहनपुर, गहली, मकसूसपुर, चिंड़ालिया, बापड़ोली, नारनौल, थाना और बलाहा खुर्द में अभियान चलाने की जिम्मेदारी जिला प्रधान एवं नारनौल बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट विजयपाल तथा सतवीर बडेसरा को सौंपी गई। इन गांवों में लोगों को सामाजिक कुरीतियों के नुकसान बताकर बदलाव के लिए प्रेरित किया जाएगा।



21 वर्षों की समाजसेवा के लिए रमेश राव का अभिनंदन

महेंद्रगढ़। क्षेत्र में पिछले 21 वर्षों से सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों के माध्यम से सेवा, समर्पण और जनहित के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे रमेश राव पायलट के सम्मान में रविवार को अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने समारोह में उन्हें सम्मानित किया। वक्ताओं ने उनकी उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि समाजसेवा के क्षेत्र में लंबे समय तक सक्रिय रहकर जनहित के कार्य करना अपने आप में प्रेरणादायक है। वक्ताओं ने कहा कि किसी व्यक्ति के सामाजिक योगदान को इस प्रकार सम्मान मिलना न केवल उसके लिए व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि इससे पूरे समाज को सकारात्मक दिशा में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास में सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। रमेश राव पायलट यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष होने के साथ सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट, पत्रकार और लेखक के रूप में भी अपनी पहचान रखते हैं।

संगठन विस्तार और सामाजिक मजबूती पर बना रोडमैप : डॉ. हिम्मत यादव



कनीना। श्री कृष्णा यादव महासभा हरियाणा की कोर कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हिम्मत यादव की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक का मुख्य उद्देश्य हरियाणा प्रदेश में संगठन का व्यापक स्तर पर विस्तार करना तथा समाज के प्रत्येक वर्ग को महासभा से जोड़कर एकता को सुदृढ़ बनाना रहा। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन की भावी कार्ययोजना और सामाजिक सशक्तिकरण के मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया। डॉ. हिम्मत यादव ने पदाधिकारियों ने आश्वस्त किया कि उनके मार्गदर्शन में संगठन प्रदेश के कोने-कोने तक अपनी पहचान स्थापित करेगा। इसके लिए प्रयास जारी हैं, बैठक में अनिल यादव, हेमचंद, शोचंद प्रधान और राजेश यादव ने विभिन्न मुद्दों पर ध्यान आकर्षण किया। उन्होंने महिला सशक्तिकरण के पहलू पर भी विशेष जोर दिया। श्री कृष्णा यादव महासभा की महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष निशा यादव के निरंतर प्रयासों और सहयोग से महिलाओं की सहभागिता पर कार्य किया जा रहा है।

- यादव महासभा की कोर कमेटी की अहम बैठक

बच्चों में अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित करने का प्रयास

महेंद्रगढ़। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स हरियाणा की ओर से जुई खुर्द जिला भिवानी में आयोजित राज्य स्तरीय स्टैंडर्ड जजिंग कैंप के अंतर्गत राज्य प्रशिक्षण केंद्र का भव्य उद्घाटन समारोह, राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा ने वीडियो संदेश के माध्यम से प्रदेशभर से पहुंचे स्काउट्स एंड गाइड्स को संबोधित किया। कार्यक्रम में उनके पुत्र एवं भाजपा युवा नेता गौतम शर्मा ने भी शिरकत की। शिविर में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स के जिला सचिव राजेश शर्मा झाड़ली के मार्गदर्शन में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों के उत्साह, अनुशासन और गतिविधियों में भागीदारी की उपस्थित अतिथियों ने सराहना की। गौतम शर्मा ने कहा कि हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के मार्गदर्शन में सराहनीय कार्य कर रही है। संगठन ने कोरोना महामारी जैसी चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों और विभिन्न आपदाओं के दौरान अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके साथ ही सरकार की जनहितकारी नीतियों और योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भी स्काउट्स एंड गाइड्स का अहम योगदान रहता है। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स बच्चों में अनुशासन और नेतृत्व की भावना विकसित कर रही है। उन्होंने इस कैंप में ढाई हजार से अधिक स्काउट एंड गाइड ने भाग लिया अनेक प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया गया।



सिद्ध पीठ मां भूरा भवानी मंदिर सिसोट जागरण में गूंजे माता के जयकारे



महेंद्रगढ़। सिद्ध पीठ मां भूरा भवानी मंदिर सिसोट धाम में सप्तमी नवरात्रि के अवसर पर मां भूरा भवानी के 18वें विशाल जागरण हुआ। जागरण में प्रसिद्ध भजन गायक धर्मेश कौशिक एंड पार्टी ने एक से बढ़कर एक भजनों से मां का गुणगान कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। गायिका पिंकी सिंधी जयपुर ने शेरां वाली से दिल को लगाया है, वो जाने या मैं जानूं भजन सुनाकर समां बांध दिया, वहीं धर्मेश कौशिक ने अपनी सुरीली आवाज में चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है और खुशहाल करती, मालामाल करती, मैया रानी अपने भक्तों को निहाल करती जैसे भजनों पर सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। जागरण में दिल्ली से आए झांकी कलाकारों ने कृष्ण सुदामा, शिव पार्वती, एवं हनुमान की बहुत सुन्दर सुन्दर झांकियां दिखाई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने शिरकत की। मंदिर की महंत शक्ति नाथ महाराज, प्रधान संदीप यादव, पूर्व प्रधान प्रेमचंद सिसोठिया, सरपंच वीरेंद्र कुमार, सचिव मास्टर अनिल सिसोठिया, पूर्व चेयरमैन सूरत सिंह, उप प्रधान विक्रम ढाणी, कोषाध्यक्ष परमजीत, विजय फोरमैन, सूबे सिंह, रणधीर, सुनील, रजनीश, शिव कुमार सहित कमेटी सदस्यों ने मुख्य अतिथि को माता रानी का पटका पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सीताराम शिव मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट की बैठक

नारनौल। सीताराम शिव मंदिर धर्मार्थ ट्रस्ट नई मंडी की बैठक संरक्षक सत्यनारायण गुप्ता की अध्यक्षता में मंदिर परिसर में हुई। उपरोक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट प्रधान बद्री प्रसाद गर्ग ने बताया कि बैठक में शरद पूर्णिमा पर्व एवं अंकूट पर्व मनाने बाबत चर्चा उपरांत निर्णय लिया गया कि शरद पूर्णिमा 25 अक्टूबर रात्रि को मनाई जाएगी। नौ नवंबर 2026 सोमवार को अमावस्या 12:31 तक रहेगी। वृंदावन में भी अन्नकूट पर्व अमावस्या के अगले दिन ही मनाया जाएगा, इस कारण अन्नकूट पर्व 10 नवंबर र मंगलवार को ही मनाया जाएगा। ट्रस्ट के महासचिव जितेंद्र कंछल ने बताया कि दोपहर 120 बजे भोग लगाकर अंकूट का प्रसाद वितरण किया जाएगा। इस मौके पर उप प्रधान सीए पंकज गर्ग, कैशियर पंकज बंसल, हीरालाल मित्तल, मंडी प्रधान रामजीलाल मित्तल, भारत भूषण तायल, अग्रवाल सभा मंत्री कृष्ण कंछल , भारत भूषण गोयल, शंकर लाल गोयल, सुरेश चंद कंछल, विनय कुमार गोयल एडवोकेट आदि मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

राजकीय महाविद्यालय अटेली में सजा यादों का कारवां, पुराने साथी फिर मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

राजकीय महाविद्यालय अटेली में रविवार को द्वितीय एलुमिनी मीट (पूर्व छात्र सम्मेलन) का आयोजन किया गया। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपने पुराने साथियों से मिलकर छात्र जीवन की यादें ताजा की गई। वर्षों बाद महाविद्यालय पहुंचे पूर्व विद्यार्थियों ने अपनी पुरानी यादें साझा की और संस्थान से जुड़ाव पर खुशी जाहिर की है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा के मुख्यमंत्री के डिप्टी चीफ सेक्रेटरी डॉ. यशपाल यादव उपस्थित रहे। वहीं दिल्ली के जिला एवं सत्र न्यायाधीश यादवेंद्र यादव और जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

इस मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. यशपाल यादव ने कहा कि वर्षों बाद पुराने साथियों से मिलने का अवसर मिला है, जिसके लिए वह आयोजकों का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि सुबह से ही उनके मन में इस कार्यक्रम को लेकर अलग तरह की खुशी थी। रोजमर्रा की भागदौड़, कामकाज और जिम्मेदारियों से दूर पुराने साथियों के बीच पहुंचना एक अलग अनुभव है। ऐसा महसूस हो रहा है जैसे 30 साल पहले के उसी दौर में लौट आए हों। उन्होंने कहा कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। जिस संस्थान में पढ़ाई की जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष बिताए और जिन साथियों के साथ समय गुजारा उनसे दोबारा मिलना हमेशा विशेष अनुभव होता है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेश सैनी सम्मेलन के आयोजक एवं संयोजक रहे।



मंडी अटेली। पूर्व छात्रों से मिलते मुख्यमंत्री के डिप्टी चीफ सेक्रेटरी डॉ. यशपाल यादव। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

अटेली ब्लॉक समिति चेयरमैन राजेंद्र, सिहमा ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रतिनिधि राजकुमार यादव, पूर्व सरपंच एडवोकेट सुरेश गढ़ी, पूर्व मार्केट कमेटी चेयरमैन कर्मवीर बिहाली, डॉ. नीरज चौहान, डा. बजरंग, कोषाध्यक्ष राकेश, बलिराम बिल्लू, जितेंद्र, डॉ. अनिल कालिया, डॉ. सुमेश कुमार, डॉ. महेश कुमार, हैफेड इंस्पेक्टर सुनील गुवानी, अशोक पूर्व प्रधान, सुरेंद्र, अनिल, मीनाक्षी, कृष्णा के अलावा अन्य मौजूद रहे।